माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
इतिहास	1 1 0	हिन्दी

[redacted]

...तका का ...रल क्रमांक 0181072

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	7	3	1	9	9	0	0	8

शब्दों में

...ो	सात	तीन	एक	नौ	नौ	शून्य	शून्य	आठ

[redacted]

उदाहरणार्थ

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 09

ग – परीक्षा का दिनांक 11 03 2017

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्ड्री परीक्षा C.N. 311082

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Sunil Sharma	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	Dr. PRABHA SINGH Vahristha Adhyapak G.H.S.S. Renhat V. No.- 141110016 Mob.- 09479878504

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

② [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ   …क   …क

OFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBI

प्रश्न क्र.

उ०क्र०-1

(i) ह्येनशांग।
(ii) लोथल।
(iii) कुतुबुद्दीन ऐबक।
(iv) 1885
(v) कालीकट।

उ०क्र०-2

(i) सत्य।
(ii) सत्य।
(iii) सत्य।
(iv) असत्य।
(v) असत्य।

उ०क्र०-3

(i) बिम्बिसार ⟶ हर्यक वंश
(ii) बलबन ⟶ रक्त एवं लौह की नीती
(iii) जीजा बाई ⟶ शिवाजी की माता
(iv) महात्मा गांधी ⟶ यंग इण्डिया
(v) लार्ड कर्जन ⟶ बंगाल विभाजन

उ०क्र०-4

(i) चन्द्र गुप्त मौर्य।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

(ii) सन 1191 में।
(iii) शेरशाह सूरी।
(iv) सूरत।
(v) चर्बी वाले कारतूस।

उ० क्र० - 5

(अ) (iii) पुलकेशिन द्वितीय।
(ब) (iii) इब्राहिम लोदी।
(स) (i) 1757 ई०।
(द) (i) भारत छोड़ो आन्दोलन।
(इ) (iv) झाँसी।

BSE

उ० क्र० - 6

पुरापाषाण के काल के औजार पत्थर के थे। और यह बेडौल खुरदरे भोंडीदार थे।

उ० क्र० - 7

वेद संस्कृत के विधि धातु से बना है। इसका अर्थ होता है, ज्ञान प्राप्त करना।

उ० क्र० - 8

वेद चार प्रकार के होते हैं।
(i) सामवेद (ii) अथर्ववेद
(iii) ऋगवेद (iv) यजुर्वेद।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADE

प्रश्न क्र.

उ० क्र०-8

राजपूत काल मे जौहर प्रथा चर्म सीमा पर पहुंच चुके थे। इसमे जब युद्ध क्षेत्र मे जीत की ~~तैयारी~~ सम्भावना न रहने पर राजपूत सैनिको की स्त्रियाँ सतित्व को बचाने के लिए वे अपने को अग्नि में भस्म कर लेती थी।

उ० क्र०-9

ताजमहल का निर्माण शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में सन 1631 ई० में आगरा मे करवाया था।

उ० क्र०-10

(i) प्लासी के युद्ध मे दो अंग्रेजो को पैर रखने की जगह मिली लेकिन बक्सर के युद्ध मे अंग्रेजो का अधिकार ~~अच्छे~~ तरह हो गया तथा उनके पैर जम गये। अच्छी

(ii) प्लासी के युद्ध मे तो अंग्रेजो को बंगाल पर विजय मिली थी। लेकिन बक्सर के युद्ध मे अंग्रेजो का अधिकार बंगाल, उड़ीसा, बिहार पर अधिकार हो गया था।
प्लासी का युद्ध 1757 तथा बक्सर का युद्ध 1764 मे हुआ था।

BSE

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOA

प्रश्न क्र.

उ० क्र०-11

अकबर की निम्नलिखित विशेषताएँ थी।

(i) अकबर ने हिन्दुओं पर लगने वाले जजिया कर सन 1564 में समाप्त कर दिया था।

(ii) अकबर ने दीन ए इलाही धर्म की स्थापना की थी। जिसमें ~~सभी~~ सभी धर्म एक समान थे। इसकी स्थापना 1582 ई० में हुई थी।

(iii) अकबर ने ~~इबा~~ इबादत खाना की स्थापना की थी। जिसमें सभी धर्मों के लोग वाद विवाद करते थे। तथा अकबर भी प्रत्येक बृहस्पतिवार को जाकर स्वयं अपने विचारों का आदान प्रदान करता था।

उ० क्र० -12

पानीपथ के प्रथम युद्ध के निम्नलिखित परिणाम थे।

(i) पानीपथ का प्रथम युद्ध 1526 में हुआ था। लोधी वंश का अन्त, पानीपथ के युद्ध 1526 में बाबर और इब्राहिम लोधी के बीच हुआ था। जिसमें इब्राहिम लोधी की बुरी तरह पराजित हुई। और लोधी वंश का अंत हो गया।

(ii) अपारधन हानि 1526 ई० ~~के~~ के युद्ध में बाबर को अपारधन मिली तथा उस ने उस धन को काबुल ~~स~~ और अफगानिस्तान के सैनिकों को वितरित कर दिया।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRA

प्रश्न क्र.

(iii) राजपूतो मे असन्तोष व्याप्त -
पानीपत के युद्ध मे लोधी वंश का अन्त तथा अपारधन हानि होने के कारण राजपूतों मे घोर असन्तोष व्याप्त हो गया था।

उ० क्र० - 13

भारत छोड़ो आन्दोलन मे सुभाषचन्द्र बोस का विशेष योगदान रहा। सुभाषचन्द्र एक निर्भीक एवं लोकप्रिय नवयुवक मे से एक थे। सुभाषचन्द्र बोस को सन 1938 मे कान्ग्रेस का ~~अध्यक्ष अध्यक्ष~~ ~~अ~~ अध्यक्ष चुना गया। सन 1939 मे अध्यक्ष से ~~इ~~ स्तीफा दे दिया। और उन्होने 1939 मे फार्डवर्ड की स्थापना की। एक बार ब्रिटिश अधिकारियों ने इनको सन 1941 मे कोलकाता मे इन्ही के घर मे नजर बन्ध कर दिया। सन 1942 मे इन्होने ब्रिटिश अधिकारियो की नजर से बचकर कोलकाता से निकल गए। तथा वह काबुल पहुँचे। काबुल से रूस, जर्मनी ~~से~~ पहुँचे। इनकी मुलाकात जर्मनी के हिटलर्स से भेंट हुई। और इन्होने वहाँ पर फ्री सेन्ट्रल इण्डिया की स्थापना की। और वे वहाँ से जापान पहुँच गये। और उस समय द्वितीय विश्व चल रहा था। और अन्ग्रेजी सेनाएँ लगातार पराजित होती जा रही थी। जापान की जेल मे 240 स्वतन्त्रता सन्ग्राम

B
S
E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

के सैनिक बन्द थे। जिसमे से एक रासबिहारी बोस थे। सुभाषचन्द्र बोस ने सन 1943 में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की थी। तथा उन्होने प्रण किया था की मैं अन्तिम साँस तक युद्ध करूँगा और पवित्र इस युद्ध की कसम जबतक देश आजाद नहीं हो जायेगा तब तक निरंतर युद्ध करता रहूँगा और अपने प्राणो को न्यो छावर कर दूँगा। इन्होंने सिन्गापुर में शहीद और सौराज्य की स्थापना की। एक वायुयान की दुर्घटना के कारण उनकी मृत्यु सन 1945 में हो गई।

B
S
E

उ० क्र० 16

नव पाषाण काल कि विशेषताएँ निम्नलिखित है-

(i) औजार → नवपाषाण काल में पुरापाषाण काल, एवं मध्यपाषाणकाल के औजारो से अच्छे औजार बनाने लगे थे। नव पाषाण काल मे औजार, सुडोल, चिकने, पालीस धार, बनने लगे थे। इसमें हसियल, गण्डासा, तीर कमान आदि प्रमुख थे।

(ii) पहिये का आविष्कार - इस काल मे पहिये का आविष्कार हो गया था। तथा पहिये के सहायता से चाक का निर्माण हो गया था। चाक की सहायता से इस काल में वर्तनो का निर्माण हो गया था।

(iii) पशुपालन - इस काल के लोग पशुपालने लगे थे। इसमे गाय, बैल, भैंस, बकरी, आदि थे। पशुओ से प्राप्त, दूध, घी प्राप्त होने

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

लगा था। और माँस भी प्राप्त हो गया था।

(iv) समुदायिक जीवन- इस काल में लोग एक साथ रहने लगे थे। तथा घास फूस, लट्ठे से झोपड़ी बनाकर रहने लगे थे। एक साथ होकर कृषि करते थे। और पशु पालन भी करते थे। जब एक एक साथ रहने लगे तो बस्ती एवं गाँव का निर्माण होने लगा।

उ०क्र०-16

सिन्धु सभ्यता के विनाश के कारण निम्नलिखित है-

(i) भूकम्प के द्वारा- कुछ विद्वानों का मत है कि सिन्धु सभ्यता का विनाश अचानक आये भूकम्प से हुआ।

(ii) बाढ़ के कारण- कुछ इतिहासकारों का मत है, सिन्धु सभ्यता का विनाश सिन्धु नदी के अचानक आई हुई बाढ़ के कारण हुआ था।

(iii) विदेशी आक्रमण के कारण- कुछ इतिहासकारों का मत है, कि सिन्धु सभ्यता का विनाश विदेशी आक्रमण के कारण हुआ है। विदेशीयों ने आकर इस सभ्यता का विनाश किया है।

(iv) जल प्लावन के कारण- भू-गर्भ साहनी के अनुसार सिन्धु सभ्यता का विनाश

योग पूर्ण पृष्ठ + पृष्ठ अंक = कुल अंक
मध्यप्रदेश
SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD

प्रश्न क्र.

जल प्लावक के कारण हुआ है।

उ०क्र०-17

चोल स्थानीय शासक की निम्नलिखित विशेषताएँ -

(i) इसमे एक ग्राम समिति होती थी। और यह कई भागों मे विभाजित होता था। परकोट्टम, परकोटे, मण्डल होते थे। जिसकी देखभाल ग्राम पंचायत देखती थी।

(ii) इसमे कई प्रान्त होते थे। जिसे मण्डल कहते थे। इस प्रान्तो मे जनतन्त्रात्मक शासन होता था। इसका मुख्य अधिकारी राज्यपाल होता था। जो राजा का विश्वास पात्र व्यक्ति तथा राजकुमार होता था।

(iii) इस काल मे ग्राम तीस वाडो मे विभाजित होते थे। एक ग्राम सभा होती थी। जिसे घाट के नाम जाना जाता था। यह सभा वहाँ के किसानो से लगान वसूल करते थे। तथा गाँव की देखभाल करते थे।

(iv) **न्याय** - इस काल मे न्याय की उच्च व्यवस्था थी। ग्राम के मामलो की सुनवाई की ग्राम पंचायत होती थी। ग्राम का मुख्य अधिकारी राजा होता था। राजा अपने अनुसार न्याय सुनाता था।

10 [ ] + [ ] = [ ]
योग पृष्ठ ... 10 क अंक ... कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

उ० क्र० 18

मराठा के उदय के निम्न चार कारण -

(I) प्राकृतिक दसा - मराठाओ के युद्ध के समय महाराष्ट्र के प्राकृतिक दसा ऐसी थी कि मुगल सेना और मराठी सेना आमने सामने युद्ध नही कर सकते थे। तथा मराठो ने छापामार रणनीति अपनाई। और मुगलो की सेना अचानक छापा मारकर उन्हे पराजित करदेते थे। जिसके कारण उनका उत्साह बढ़ता गया।

(ii) धार्मिक जागृती - इसमें धर्म का ज्ञान करने के लिए गुरु दास, एक नाथ, हमेन्द्री, बामन पण्डित आदि थे। इन्होने मराठो मे धर्म की भावना उत्पन्न की। तथा एकता का निर्देश दिया।

(iii) हिन्दुत्व का प्रभाव - शिवाजी ने महाराष्ट्र के हिन्दुओ में हिन्दुत्व की भावना जाग्रत की। और उन्हे एकत्रित करके मुगलो पर आक्रमण करने को उत्साहित किया।

(iv) शिवाजी का व्यक्तित्व - शिवाजी एक वीर योद्धा एवं निर्भीक युद्धा थे। कुशल राजनीतिज्ञ एवं सेनानायक थे। इन्होने हिन्दुओ को पुनः ऊपर की ओर उठाया है। तथा इन्होने अत्यन्त साहस से मुगलो का सामना किया और इन्होने मराठो को एकत्रित करके मुगलो पर विजय प्राप्त की।

B S E

(11) [ ] + [ ] = [ ]
पृष्ठ पृष्ठ अंक कुल अंक

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

उ०क्र०-19

प्लासी युद्ध के निम्नलिखित कारण है।

(i) प्लासी के युद्ध मे अन्ग्रेज शासको ने बंगाल के शासक सिवराज-उद्धोला के विरोधियो को अपनी तरफ मिला लिया।

(ii) अन्ग्रेज शासको ने बंगाल के किसानो को आसवासन दिया की हमारी सरकार आयेगी तो हम तुम्हे खाद्य सामग्री कम मूल्यो मे देगे और व्यापार कर मुक्त कर देगे।

(iii) अन्ग्रेजो ने किले बन्दी कर दी थी। जिससे फ्रांस कम्पनी के आक्रमण से बच सके।

(iv) प्लासी के युद्ध मे अन्ग्रेज शासको ने बंगाल के शासक को हराकर बंगाल, बिहार, उड़ीसा पर अधिकार कर लिया तथा जिससे ईस्ट इण्डिया कम्पनी के गौरव मे व्रद्धि हुई।

B
S
F

उ०क्र०-20

(i) ~~स्थाये~~ स्थायी बन्दोबस्त संस्था के संस्थापक लार्ड कार्लिस ने 1790 मे की थी। जमीनदारो की जमीन उस समय तक नही छीनी जाती थी जबतक वे अन्ग्रेजी सरकार को कर देते थे। जिससे जमीनदारों की जमीन वैतिक हो गई थी।

(ii) अन्ग्रेजो ने उस समय किसानों की जमीन छीन ली थी। तथा उनके घर खाली करा लिये थे। जिससे किसानो की दशा सोचनीय हो गई थी।

OFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADE

प्रश्न क्र.

(iii) ~~किसानो~~ किसान परिश्रम से अपनी जमीन को अच्छी एवं अधिक पैदावार होने लगी थी। तथा फिर भी जमीनदार उनसे अधिक से अधिक कर मूल्य लेते थे। जिससे किसान निर्धन एवं उनकी दसा सोचनीय हो गई थी।

(iv) किसानो पर सरकार का सीधा सम्पर्क नहीं था। तथा वे जमीनदारो पर जोर देते थे। तथा जमीनदार किसानो से दो गुना अधिक कर वसूली करते थे। तथा किसानो की दसा अत्यधिक दैयनीय हो गई थी।

B
S
E

उ० क्र०-21

मध्य प्रदेश के स्वतन्त्रता सन्ग्राम में विशेष योगदान रहा है। अन्ग्रेज शासको ने रानी अवन्तीबाई के पती विक्रमादित्य को मठ के घाट उतार दिया। उस समय रानी अवन्तीबाई का पुत्र छोटा था। अन्ग्रेजो ने मण्डला जिले के रामगढ़ के राज्य की देखभाल के लिए एक अन्ग्रेजी अधिकारी को नियुक्त किया। रानी अवन्ती बाई ने अन्ग्रेजो के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। राज्य के अन्ग्रेजी सैनिको को मौत के घाट उतार दिया जिससे अंग्रेज शासक भड़क गये। और रानी अवन्तीबाई से युद्ध करने को तैयार हो गये। रानी अवन्तीबाई ने वीरता से अंग्रेजी सैनिको का दमन किया और विभिन्न जगहो से सैनिक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD
प्रश्न क्र.

एकत्रित करके अंग्रेजी का सामना किया। रानी अवन्तीबाई ने पुनः अपने राज्य पर अधिकार कर लिया। जब रानी अवन्तीबाई महल में थी तभी अचानक अंग्रेज सैनिकों ने महल को घेर लिया। अवन्तीबाई ने देखा तो वे महल के पीछे दरवाजे से जंगल की ओर चली गई। अंग्रेजी सैनिकों ने उनका पीछा किया। रानी अवन्तीबाई छोटी सी सेना ने अंग्रेजो की विशाल सेना से निरन्तर युद्ध किया लेकिन वे पराजित हुए। यह स्थिती देखकर रानी अवन्तीबाई ने देखा तो अपनी ~~अपन~~ अंगरक्षिका गिर्धारीबाई की कमर से कटार खींचकर अपने को मातृभूमि समर्पण कर दिया। यह देखकर ~~[illegible]~~ उनकी रक्षिका ने भी ~~उनकी~~ अपने को मातृभूमि को समर्पण कर दिया।

उ०क्र०-22

अशोक के धर्म की निम्नलिखित विशेषताएँ थी।

(i) सर्व भौमिक धर्म - अशोक ने ऐसे धर्म को अपनाया जो धर्म सभी जातियाँ समस्त सम्प्रदाये के लोग अपना अतिथि अपनाते थे।

(ii) अहिंसा - अशोक ने अहिंसा पर विशेष ध्यान दिया। वह अपने धर्म में हिंसा को कोई स्थान नहीं देता था। वह सभी को एक समान एवं सभी को संरक्षण देता था।

(iii) स्तम्भ लेख - अशोक ने धर्म के प्रचार के लिए अनेक स्तम्भ एवं शिलालेखों निर्माण कराया।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYA
प्रश्न क्र.

(iv) धर्म महा मात्रो की नियुक्ति - अशोक ने धर्म की एवं राज्य की देखरेख के लिए धर्म महामात्रो की नियुक्ति की। जिससे जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

(V) राजकीय संरक्षण - अशोक ने बौद्ध धर्म को संरक्षण दिया। तथा वह सभी धर्मों को सम्मान देता था। उसके राज्य में सभी व्यक्ति स्वतंत्र थे। तथा वे सभी धर्म का पालन करते थे।

BSE

उ०क्र०-23

विजयनगर के निम्न लिखित कारण थे।

(i) अयोग्य उत्तराधिकारी - विजयनगर में कृष्ण देव राय की मृत्यु के बाद जो भी शासक बना वह अयोग्य हुआ तथा वे आपस में लड़कर बिखर जाते थे। तथा विदेशी आक्रमणओ का सामना ना कर सके इसलिए इसका पतन हो गया।

(ii) हिन्दुओ द्वारा मुसलमानी झगड़ो में हस्ताक्षेप - विजयनगर के वासी आपस में ही लड़ते रहते थे। तथा वे एक-दूसरे को नीचा दिखाने को सोचते थे। इस कारण से ~~इस~~ इनमे एकता का अभाव था। जिससे इस नगर का पतन हो गया।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBO

प्रश्न क्र.

(iii) विशाल साम्राज्य - विजय नगर साम्राज्य बड़ा होने के कारण यहाँ के उत्तराधिकारी नगर की देखरेख एवं नगर का नेतृत्व नही कर सके जिससे जनता मे असन्तोष व्याप्त हो गया। और नगर छिन्न-भिन्न हो गया।

(iv) कुशल नेतृत्व का आभाव - विजय नगर के साम्राज्य के सैनिको को विदेशी सैनिको से युद्ध करने में नेतृत्व के अभाव के कारण बहुत ही कठिनाइयाँ हुई। और पराजित हुए। जिससे विजय साम्राज्य का पतन हो गया।

B
S
E

उ०क्र० - 24

पुरन्दर की सन्धि निम्न लिखित शर्तें थी।
पुरन्दर की सन्धि जयसिन्ह और शिवा जी के बीच 1665 मे हुई। शिवाजी ने 35 किले में से 23 किले जयसिंह को दिये। शिवाजी ने अपने पुत्र सम्भाजी को 5000 मंसब बनाए। शिवाजी आश्वासन दिया मिर्जापुर से मुगलसाम्राज्य से हम युद्ध करेंगे।

उ०क्र० · 26

(i) कुम्रा का मंदिर - कुम्रा का मंदिर सतना जिले में कुम्रा नामक स्थान स्थित है। यह ऊँचे चबूतरे पर स्थित है। इसके गर्त मे एक मुखी शिवलिंग की मूर्ति है। इसके दायी ओर गंगा का चित्र और बाई ओर यमुना का चित्र बना है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

२- तिकवा का विष्णु मंदिर - तिगवा का विष्णु मंदिर सतना जिले में स्थित है। इसका भू-गर्त 8 फुट ~~किलो~~ का है। तथा इसके दाये ओर गंगा का चित्र तथा बाई ओर यमुना का चित्र है।

3- रायसेन - रायसेन मुख्यालय से 25 किलो मीटर साँची का स्तूप मे स्थित है। इसमें तीन मुख्य स्तूप है। एक विशाल एवं दो लघु स्तूप है।

1- गौतमबुद्ध का वर्णन, ।
2- अशोक के धर्म के विचारको का वर्णन,।
3- गौतमबुद्ध के दो शिष्यो का वर्णन।

इसका विस्तार सिन्धु काल मे हुआ था। गौतम बुद्ध की घटनाओ का वर्णन है।

4- खजुराहो का मंदिर - ~~खु~~ खजुराहो मंदिर का निर्माण चंदेल शासको ने करवाया था। इसका मुख्य मंदिर कंदरिया महादेव। वहाँ की कलाकृति आकर्षक है। इसमे अन्दर बाहर पशु-पक्षियो एवं देवी-देवता के चित्र है।

5- भरहुत का स्तूप - इसका विस्तार सिन्धु काल मे हुआ था। इसमे तीन मुख्य द्वार है। दक्षिणा पथ है। तथा इसके चारो तरफ चार दरवाजे है। इसका कोई चित्र अंकित नही है।

B
S
E

17 [ ] + [ ] = [ ]
योग पृष्ठ पृष्ठ 17 कुल अंक

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

उ०क्र०-25

राष्ट्रीय पुन: जागरण से समाज में निम्नलिखित प्रभाव पड़ा -

(1) समाजित नीतियों का अन्त हुआ। इसमें जातिवाद भेदभाव समाप्त हो गया। सभी लोग एक समान रहने लगे। तथा अपने धर्म से जागरूक हुये।

(2) अस्पृश्यता का अन्त - इस जागरण में उन्होने अनेक गाथाओं का अर्थ प्रारम्भ हुआ। इसमें सभी लोग एक-दूसरे की मदद करने लगे। तथा उनके बीच भेद-भाव समाप्त हो गया।

(3) इसमें सामान्य की भावना उत्पन्न हुई। तथा यातायात में व्यवस्था हुई। तथा यातायात मे कर भी ~~समाप्त~~ समाप्त हुई। जिससे उसमें रहने वाली सभी खुश हो गये।